द बिशप्स को -एड स्कूल ,उंड्री

हिंदी दिवस वृतांत

विवरण -२०२३ २०२४

हिंदी भाषा भारत की एकता, विविधता, देशभक्ति, संस्कृति, और समृद्धि का प्रतीक है। हिंदी हमारे संविधान की भाषा है और हमारी राजकीय भाषा के रूप में महत्वपूर्ण है। हर साल 14 सितंबर को पूरे देश में हिंदी दिवस मनाया जाता है। यह दिन हिंदी भाषा के महत्व पर ध्यान देने के साथ भारत की विविधता को बढ़ावा देने के लिए मनाया जाता है।

द बिशप्स को एड स्कूल उंड्री में प्रतिवर्ष हिंदी भाषा के सम्मान एवं संवर्धन के लिए अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, इसी श्रृंखला में इस वर्ष 'हिंदी दिवस' का भी आयोजन किया गया। इस वर्ष 'हिंदी दिवस समारोह ' एक उत्सव की तरह मनाया गया। यह तीन दिवसीय समारोह था। स्कूल प्रशासन ने इस समारोह का बहुत ही अच्छे तरीके से आयोजन किया। इस सांस्कृतिक कार्यक्रम के लिए एक शानदार मंच तैयार किया गया था।

सर्व प्रथम हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में विद्यालय में विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। कक्षा नौवीं और दसवीं के छात्रों की प्रार्थना सभा २५ सितंबर तथा कक्षा छठी से आठवीं के छात्रों की प्रार्थना सभा २८ सितंबर को आयोजित की गई। जिसमें बाइबल वाचन, प्रार्थना, हिंदी भाषा का महत्व बताते हुए नैतिक कथा, कविता तथा 'प्रभु महान विचारु कार्य तेरे' गीत का छात्रों द्वारा समूह गान किया गया। इस विशेष प्रार्थना सभा में हिंदी विभाग के शिक्षक गण और छात्रों ने अपना पूरा सहयोग तथा सहभाग दिखाया।

तत्पश्चात हिंदी दिवस के खास मौके पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन विद्यालय द्वारा ६ और ९ अक्टूबर को विद्यालय के प्रधानाध्यापक श्रीमान लुक जी, मुख्याध्यापक श्रीमती रसल जी, मुख्याध्यापिका श्रीमती फर्नांडिज जी, संयोजिका श्रीमती कुरियन जी तथा श्रीमती खंडेलवाल जी के उपस्थिति में किया गया। श्रीमती लिटलवूड द्वारा कार्यक्रम की शुरुआत प्रार्थना से की गई। छात्रों ने अपना उत्साह जताते हुए अलग - अलग कार्यक्रमों द्वारा हमारा मनोरंजन किया।

जिसमें - स्वागत नृत्य, व्यक्तिगत स्वच्छता नृत्य, अनेकता में एकता नृत्य, शास्त्रीय नृत्य, हास्य नाटिका, जुगल-गीत का सुंदर प्रस्तुतीकरण किया गया। काव्य वाचन अनन्या शेट्टी द्वारा किया गया । हिंदी दिवस का महत्त्व बताते हुए फातिमा बोरा ने अपने विचार प्रकट किए।

कार्यक्रम को देखते समय श्रोता गणों में एक विशेष उत्साह और आनंद नज़र आ रहा था।

कार्यक्रम का संचालन आर्या शाह और कुशल बनवत द्वारा तथा धन्यवाद ज्ञापन सारा देवकर द्वारा किया गया।

कार्यक्रम के उपरांत विद्यालय की संयोजिका श्रीमती खंडेलवाल जी ने प्रतिभागियों की प्रशंसा करके अपने विचार प्रकट किए।

द्वारा नमिता जोएल

PREMIER

Shot on OnePlus

शास्त्रीय

स्वागतम्

2006

2006

शिक्षा का महत्त्व